प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर में कृषि संसाधनों के प्रबंधन पर प्रशिक्षण प्रारम्भ

पंतनगर। 05 सितम्बर, 2018। पंतनगर विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सभागार में आज सस्य विज्ञान विभाग के संकाय उच्च अध्ययन केन्द्र द्वारा 'कृषि संसाधनों के प्रबन्धन, संवर्धन एंव उपयोग की नई सीमाएं' विषय पर प्रशिक्षण आरम्भ किया गया। इस 21-दिवसीय प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के निदेशक शोध, डा. एस.एन. तिवारी, थे।

प्रशिक्षण का उद्घाटन करते हुए। डा. एस. एन. तिवारी, ने बताया कि वर्तमान में जलवायु में तीव्र गाति से परिवर्तन को देखते हुए एवं अजैविक बदलाव को स्वीकार करतें हुए, कृषि प्रणाली को वातावरण के अनुरूप अपनाना आवश्यक है। डा. तिवारी ने बताया कि इस प्रशिक्षण के तहत संसाधनों के पारिस्थितिकी के अनुसार सीमित प्रयोग पर बल दिया जायेगा, क्योंकि वर्तमान कृषि प्रणाली में उर्वरकों एवं रसायनों के अंधाधुन्द प्रयोग से मृदा की उर्वरता में कमी के साथ-साथ वातावरण भी दुष्प्रभावित हो रहा है। उन्होंने आधुनिक कृषि प्रणाली को कम लागतकारी बनाने पर बल दिया, ताकि संसाधनों का कम से कम प्रयोग कर अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सके।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता, डा. जे. कुमार, ने कहा कि कृषि में आधुनिकता को समावेशित किया जाना आवश्यक है, ताकि बढ़ती आबादी के अनुरूप खाद्यान्न आपूर्ति हो सके। डा. कुमार ने बातया कि ऐसी कृषि प्रणाली अपनानी चाहिए, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो सके, साथ ही पद्धति में संसाधनों का उपयोग भी सीमित किया जा सके। उन्होंने कहा कि कृषि के लिए उपलब्ध जोत क्षेत्रफल, जो कि कृषि भूमि का ६० प्रतिशत था, भी वर्तमान में कृषि के लिए उपलब्ध नहीं है। साथ ही जल एवं भूमि की उर्वरता में निरन्तर कमी आ रही है तथा जलवायु में परिवर्तन हो रहा है, अतः अब कृषि में शोध इन सभी परिस्थितियों को मददेनजर रखते हुए करना चाहिए एवं खेती के लिए प्रयुक्त व उपलब्ध संसाधनों के संरक्षण पर जोर दिया जाना चाहिए।

प्रशिक्षण निदेशक एवं विभागध्यक्ष, डा. डी. एस. पांडे, ने सस्य विज्ञान विभाग के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यह विभाग विश्वविद्यालय का प्रथम विभाग है जो कि अनेक शोध पत्रों के प्रकाशन के साथ-साथ विभिन्न तकनीकियों का विकास कर चुका है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए विभाग के प्राध्यापक, डा. सुभाष चन्द्र, ने सभी गणमान्य वैज्ञानिकों के साथ-साथ आगन्तुक प्रशिक्षणार्थियों का स्वागत किया तथा प्रशिक्षण के विषय में विस्तृत जानकारी दी। समारोह के अन्त में सह प्राध्यापक, डा. अजय कुमार, ने सभी उपस्थित गणमान्य वैज्ञानिकों, प्रशिक्षणार्थियों एंव विद्यार्थियों को धन्यवाद दिया।

प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में मंचासीन वैज्ञानिक (बायें से दायें) डा. सुभाष चन्द्र, डा. डी.एस. पांडे, डा. जे. कुमार, डा. एस.एन. तिवारी।

(नरेश कुमार)
समाचार समन्वयक